



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 354]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 20, 2009/कार्तिक 29, 1931

No. 354]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 20, 2009/KARTIKA 29, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 नवम्बर, 2009

अंतिम जांच परिणाम

(निर्णायक समीक्षा)

विषय: चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित मैलामाइन के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा।

सं. 15/29/2008-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, पाटनरोधी शुल्क या अतिरिक्त शुल्क का निर्धारण एवं वसूली और क्षति निर्धारण), नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए ;

क. पृष्ठभूमि तथा प्रक्रिया

1. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

- (i) यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, पाटनरोधी शुल्क या अतिरिक्त शुल्क का निर्धारण एवं वसूली और क्षति निर्धारण), नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए 10 सितंबर, 2003 की अधिसूचना सं. 14/16/2003-डीजीएडी के तहत मूल जांच शुरू की थी। प्राधिकारी ने चीन जन.गण. (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित मैलामाइन (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर 3 सितंबर, 2004 की अधिसूचना सं. 14/16/2003-डीजीएडी के तहत निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हुए अपने अंतिम जांच परिणाम जारी किए थे और भारत सरकार द्वारा 16-11-2004 की सी. शु. अधिसूचना सं. 107/2004 के तहत इस प्रकार का निश्चयात्मक शुल्क लगाया गया था।

ii). निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग, जिसमें मै. गुजरात स्टेट फर्टीलाइजर्स एंड कैमिकल्स लि., बड़ोदरा भी शामिल थी, द्वारा इस आशय के अनुरोध के बाद चीन जन.गण. (जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित मैलामाइन के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच शुरू की थी। अनुरोध इस आधार पर किया गया था कि ऐसा शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। निर्यातक ने अपने दावे में इससे संबंधित प्रथमदृष्टया साक्ष्य उपलब्ध कराए और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क की अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया।

iii). समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त सकारात्मक साक्ष्य के आधार पर संतुष्ट होने के बाद निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना सं.15/29/2008-डीजीएडी दिनांक 21 नवंबर, 2008 जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया, जिसके तहत लागू शुल्क को सतत रूप से लागू रखने की जरूरत की समीक्षा करने और इस बात की समीक्षा करने के लिए पाटनरोधी जांच की निर्णायक समीक्षा शुरू की गई कि क्या शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन एवं क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है और क्या लागू पाटनरोधी शुल्क की अवधि को आगे और बढ़ाना अपेक्षित है।

iv). समीक्षा जांच शुरू करने के बाद प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार प्रश्नावली का उत्तर तथा आवश्यक सूचना मांगते हुए घरेलू उद्योग, संबद्ध देश के समस्त ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों और ज्ञात आयातकों को अधिसूचित किया;

v). नियम 6(2) के अनुसार, जांच की शुरुआत के बारे में नई दिल्ली स्थिति चीन के दूतावास/प्रतिनिधि को इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें।

vi). उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार, घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश के दूतावास को उपलब्ध कराई गई थी।

vii). वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2007 से 31 जून 2008 (जांच अवधि) है। तथापि, क्षति विश्लेषण में अप्रैल, 2004-मार्च, 2005, अप्रैल, 2005-मार्च, 2006, अप्रैल 2006-मार्च, 2007 की अवधि और जांच अवधि शामिल है।

viii). नियम 6(4) के अनुसार संगत सूचना मांगने के लिए संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावलियों के साथ जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भेजी गई थी :

- क. चीन हुआया ग्रुप कंपनी लि.
- ख. थिंगकू तियानयूआन इलेबोरेट कैमिकल इंड कंपनी लि.
- ग. इनर मंगोलिया इजूकैम इंड कंपनी लि.
- घ. नेइर कैमिकल कंपनी लि.
- ङ. हेनान हार्वेस्ट इंट. कंपनी लि.
- च. हेनान हांजी कैमिकल कंपनी लि.
- छ. गोल्डन ऐलीफेंट कंपनी लि.

उपयुक्त अधिसूचना के उत्तर में किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया ।

ix). नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपभोक्ताओं को जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना तथा निर्यातक प्रश्नावली भेजी गई थी । किसी भी हितबद्ध पार्टी ने प्रश्नावली का कोई उत्तर दायर नहीं किया ।

क. ग्रीनप्लाइ इंड लि.

ख. मैरीनो इंड लि.,

ग. मैरीनो पैनल प्रोडक्ट्स लि.

घ. गोल्डन लैमिनेट्स लि.,

ङ सूर्या विकास प्लाईवुड प्रा. लि.

च. कात्यानी कैमटेक इंडिया लि.

छ. रूशील डेकोर लि.

ज. सनडेव इंडिया लि.

झ. ब्लूम डेकर लि.

ट. एच ई एफ इंडिया प्रा. लि.

ठ. सेंधुरी प्लाईवुड्स इंडिया लि.

ड मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स लि.

ढ. वर्गो इंडस्ट्रीज

ण. अल्फा आइका लि.

त. दि बॉम्बे बर्मा ट्रेडिंग कंपनी

x). विचाराधीन उत्पाद मैलामाइन है जो शीर्ष 29 के उपशीर्ष 29336100 के अंतर्गत वर्गीकृत है । क्षति अवधि के दौरान आयातों के विश्लेषण हेतु डीजीसीआईएंडएस के आंकड़े लिए गए हैं ।

xi). प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण उसके द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षणार्थ खुला रखा ।

(xii) घरेलू उद्योग होने के नाते मै. गुजरात स्टेट फर्टीलाइजर्स एंड कैमिकल्स लि., बड़ोदरा ने सूचना/आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। घरेलू उद्योग से अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी, जिसे उपलब्ध भी करा दिया गया था। प्राधिकारी ने हुई क्षति की जांच करने और भारत में उत्पादन की इष्टतम लागत, संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकालने के लिए सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार संभव सीमा तक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना की जांच की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा। चूंकि जिस सूचना पर भरोसा किया गया है वह लेखा पुस्तिकाओं से ली गई है, इसलिए प्राधिकारी ने कंपनी द्वारा रखी गई लेखा पुस्तिकाओं से सत्यापित सूचना अपनाई है।

(xiii) पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने 23-9-2009 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचारों को मौखिक रूप से व्यक्त करने के लिए समस्त हितबद्ध पार्टियों को अवसर प्रदान किया। जिन पार्टियों ने सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार व्यक्त किए थे, उनसे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों के लिखित अनुरोध दायर करने का आग्रह किया गया था। हितबद्ध पार्टियों से प्राप्त लिखित अनुरोध पर इस प्रकटन विवरण में विचार किया गया है।

(xiv) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों और अनुरोधों पर वर्तमान जांच में जहां संगत पाया गया है, विचार किया गया है ;

(xv) पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा विचारित आवश्यक तथ्यों/का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणामों में विधिवत विचार किया गया है। प्रकटन विवरण के बाद केवल घरेलू उद्योग ने अनुरोध किए हैं जिनका विश्लेषण उचित शीर्षों में किया गया है।

(xvi) हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने के बाद प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई और इसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पार्टियों को नहीं किया गया। जहां कहीं संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाली पार्टियों को निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं।

(xvii) जहां कहीं किसी हितबद्ध पार्टी ने आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है या वर्तमान जांच की कार्यवाही के दौरान उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है या जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर ये जांच परिणाम दर्ज किए हैं।

(xviii) *** यह चिन्ह इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत उसे गोपनीय ही माना है।

ख. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

ख.1

2.1 मूल जांच में और वर्तमान जांच में भी विचाराधीन उत्पाद मैलामाइन है (जिसे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) विचाराधीन उत्पाद, मैलामाइन अध्याय 29 के उपशीर्ष सं. 29336100 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

2.2 घरेलू उद्योग द्वारा विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के बारे में निम्नलिखित मुद्दे उठाए गए हैं :

क. वर्तमान समीक्षा जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है इसलिए विचाराधीन उत्पाद वही रहता है जैसा कि पूर्ववर्ती जांचों में परिभाषित किया गया है।

ख. मूल जांच तथा उत्पादित एवं इस समय विश्व भर में बेचे जा रहे उत्पाद के बीच उत्पाद की विशेषताओं में कोई खास परिवर्तन और विकास नहीं हुआ है।

ग. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु आयातित उत्पाद के समान वस्तु है। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के मुद्दे की विस्तार से जांच की थी, जिसकी पुष्टि किए जाने की जरूरत है।

ख.2 आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

3. विचाराधीन उत्पाद और घरेलू समान वस्तु के बारे में किसी भी निर्यातक, आयातक, उपभोक्ता और अन्य हितबद्ध पार्टी ने कोई टिप्पणी या अनुरोध प्रस्तुत नहीं किए हैं।

ख.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

4. मूल जांच में और वर्तमान जांच में भी विचाराधीन उत्पाद मैलामाइन है (जिसे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है)। उत्पाद को मूल जांच में निम्नानुसार परिभाषित किया गया था:

"वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद मैलाइन है जो एक स्वाद रहित, ⁸ ~~गंध~~ रहित तथा विष रहित पदार्थ (रासायनिक चूर्ण) है। सौंदर्य तथा उपयोगिता संबंधी अनेक उत्पादों को बनाने के लिए फार्मेलडीहाइड के साथ मैलामाइन की अभिक्रिया की जाती है और उसे राल अथवा मोल्लिंग चूर्ण का रूप दिया जाता है। लैमिनेट्स के लिए इस्तेमाल किए जाने वाला मैलामाइन फार्मेलडीहाइड काफी कठोर तथा खरोंच, दाग, जल और ऊष्मा का प्रतिरोधी होता है। कुल इलेक्ट्रिकल अनुप्रयोगों में इस्तेमाल होने वाले लैमिनेट में उच्च मशीनी सुदृढ़ता, अच्छी ऊष्मा प्रतिरोधात्मकता और विद्युतरोधी गुणधर्म होते हैं।"

विचाराधीन उत्पाद के बारे में किसी हितबद्ध पार्टी से कोई तर्क न मिलने की स्थिति में प्राधिकारी उपर्युक्त किए गए विचार के अनुसार विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र की पुष्टि करते हैं और जिसका उल्लेख पहले किया गया है ।

5. विचाराधीन उत्पाद, मैलामाइन अध्याय 29 के उपशीर्ष सं. 29336100 के अंतर्गत वर्गीकृत है । तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है ।

6. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित मैलामाइन और चीन जन.गण. से निर्यातित मैलामाइन में ऐसा कोई खास अंतर नहीं है जिसका कीमत पर प्रभाव पड़ सके । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित मैलामाइन तथा चीन जन.गण. से निर्यातित मैलामाइन रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत नीति, वितरण एवं विपणन और वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है । यद्यपि, मैलामाइन के उत्पादन में शामिल विनिर्माण प्रक्रिया तथा प्रौद्योगिकियां अलग-अलग हैं, तथापि, अंतिम उत्पाद में तुलनीय विनिर्देशन हैं और उसका उपयोग अदल-बदल कर किया जाता है । दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं । उपभोक्ता दोनों का अदल-बदल कर उपयोग करते हैं । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और चीन जन.गण. से आयातित मैलामाइन को पाटनरोधी नियमों के अनुसार समान वस्तु माना गया है ।

ग. घरेलू उद्योग का आधार एवं क्षेत्र विस्तार

ग.1 घरेलू उद्योग के विचार

7 वर्तमान जांच में मै. गुजरात स्टेट फर्टीलाइजर्स एंड कैमिकल्स लि. ने घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर की है । यह कंपनी भारत में संबद्ध वस्तु की एकमात्र उत्पादक है । इस प्रकार कंपनी का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का 100% बनता है और इसलिए याचिका में पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर आधार की अपेक्षा की पूर्ति होती है ।

ग.2 आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों, अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

8. घरेलू उद्योग और उसके आधार के बारे में किसी भी निर्यातक, आयातक, उपभोक्ता और अन्य हितबद्ध पार्टी ने कोई टिप्पणी या अनुरोध प्रस्तुत नहीं किए हैं ।

ग.3 निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच

9. भारत में संबद्ध वस्तु का केवल एक ज्ञात उत्पादक अर्थात् मै. गुजरात स्टेट फर्टीलाइजर्स एंड कैमिकल्स लि., बड़ोदरा है । पाटनरोधी शुल्क को सतत रूप से लागू करने के लिए वर्तमान निर्णायक समीक्षा हेतु आवेदन मै. गुजरात स्टेट फर्टीलाइजर्स एंड कैमिकल्स लि. द्वारा दायर किया गया है । भारत में संबद्ध वस्तु की एकमात्र उत्पादक होने के कारण कंपनी का उत्पादन भारतीय उत्पादन का 100% बनता है ।

10. नियमावली के नियम 2(ख) में निम्नानुसार उपबंध है:-

"ख "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वये उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा ।"

याचिकाकर्ता भारत में संबद्ध वस्तु का एकमात्र ज्ञात उत्पादक है और इसलिए वह नियमावली के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है ।

घ पाटन का निर्धारण

सामान्य मूल्य

घ.1 घरेलू उद्योग के विचार:

11. घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त किए गए विचार निम्नानुसार हैं: -

(क) चीन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है । किसी भी देश ने मूल्यांकन के व्यापक मापदंडों का अनुपालन करने के बाद चीन को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया है । पिछले तीन वर्षों में यूरोपीय आयोग तथा यूनाइटेड स्टेट्स द्वारा चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है । यूरोपीय संघ और यूनाइटेड स्टेट्स विश्व व्यापार संगठन के सदस्य हैं । भारत में भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है ।

(ख) नियमों में 15 शर्तें निर्धारित हैं जिनमें से प्रत्येक को किसी इच्छुक निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा करने और इस प्रकार के दावे की पुष्टि के लिए संगत और आवश्यक सूचना तथा साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए पूरा करना अपेक्षित होता है । याचिकाकर्ता ने चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश होने का दावा किया है । याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि जब तक चीन के प्रतिवादी निर्यातक ऐसी समस्त 15 शर्तों को पूरा नहीं करते हैं तब तक निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करना अपेक्षित होता है ।

(ग) चीन के उत्पादकों के लिए भारत एक उचित प्रतिनिधि देश है । प्रतिनिधि देश के रूप में भारत को माने जाने से न केवल सही और पर्याप्त सूचना उपलब्ध होगी अपितु, इस बात पर विचार करने का कोई तथ्यपरक आधार भी नहीं है कि भारत उचित प्रतिनिधि देश नहीं हो सकता है । अन्य जांचकर्ता प्राधिकारियों द्वारा भी भारत को एक उचित प्रतिनिधि देश माना है ।

(घ) इस प्रकार चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण (क) भारत में कीमत, और (ख) बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय एवं लाभ सहित विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत के आधार पर किया जा सकता है । तदनुसार सामान्य मूल्य का

निर्धारण बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा लाभ हेतु विधिवत समायोजित उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है।

(ड) चीन से वस्तु का निर्यात पाटित कीमतों पर किया जा रहा है और इसकी पुष्टि सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के अनुमानों द्वारा हुई है। पाटन मार्जिन काफी अधिक है।

(च) संबद्ध वस्तु पर पहले से ही पाटनरोधी शुल्क लागू होने के कारण घरेलू उद्योग उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग, लाभ/हानि, निवेश पर आय, नकद प्रवाह आदि में सुधार करने में समर्थ रहा है।

(छ) जांच अवधि के दौरान किए जा रहे पाटन को रोकने के लिए प्राधिकारी कृपया अतिशीघ्र पाटनरोधी शुल्क की अवधि बढ़ाने की कृपा करें।

घ.2 आयातकों/निर्यातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

12. निर्यात कीमत, सामान्य मूल्य और पाटन मार्जिन के निर्धारण के बारे में किसी भी निर्यातक, आयातक, उपभोक्ता और अन्य हितबद्ध पार्टी ने कोई टिप्पणी या अनुरोध प्रस्तुत नहीं किए हैं।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

13. अधिनियम की धारा 9 (1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:

(i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उपनियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा

(ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-

(क) सामान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य

प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के ज्ञात निर्यातकों को यह सलाह देते हुए उनके पास प्रश्नावलियां भेजी कि वे निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से सूचना उपलब्ध कराएं। तथापि, चीन के किसी उत्पादक/निर्यातक से प्रश्नावली का कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

पाटनरोधी नियमावली के अनबंध-1 के पैरा 7 में यह उपबंध है कि:

गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा संरचित मूल्य अथवा ऐसे तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के मूल्य के आधार पर किया जाएगा अथवा जहां यह संभव न हो, किसी अन्य समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान की गई अथवा भारत में भुगतान की जाने वाली कीमत शामिल है, जिसमें यदि जरूरी हो, तो लाभ की समुचित मार्जिन को भी विधिवत समायोजित किया जाएगा। एक उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा चयन संबंध देश के विकास के स्तर और संदर्भाधीन उत्पाद को ध्यान में रखते हुए तथा चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी भरोसेमंद सूचना पर विचार करते हुए उचित ढंग से किया जाएगा। किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में जहां उचित समझा जाए, की गई जांच समय सीमा के भीतर विचार किया जाएगा। जांच से संबंधित पार्टियों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त चयन में किसी विलंब के बिना सूचित किया जाएगा और उन्हें टिप्पणियां प्रस्तुत करने का उचित अवसर प्रदान किया जाएगा।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में भारत और डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है जो पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्यातक देश या अलग-अलग निर्यातकों द्वारा इस अनुमान के खंडन के अधीन है।

पाटनरोधी नियमावली के अनबंध-1 के पैरा 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन तभी किया जा सकता है जब चीन जन.गण. के निर्यातक पैरा 8 के उप-पैरा (3) के निर्दिष्ट मापदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करते हैं और इसके विपरीत तथ्य सिद्ध करते हैं। चीन जन.गण. के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि क्या:-

- (क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;

- (ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बढ़े खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यक्षीन हैं;
- (ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यक्षीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- (घ) विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जारी की गई जांच शुरुआत संबंधी सूचना के बाद चीन के किसी उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली के उत्तर और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान के खंडन सहित कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है । चीन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है । प्राधिकारी ने चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है बशर्ते प्रतिवादी निर्यातक नियमों में निर्धारित प्रत्येक शर्त को पूरा करते हों । चूंकि चीन जन.गण. के किसी निर्यातक ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है और निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से सूचना उपलब्ध नहीं कराई है, इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अंतर्गत चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हुए उसके संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है ।

नियमों के अंतर्गत, चीन ने सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित में से किसी एक के अंतर्गत किया जा सकता है:

- (क) गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश में कीमत ।
- (ख) गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश में परिकलित मूल्य ।
- (ग) भारत सहित अन्य देश के लिए ऐसे किसी तीसरे देश की कीमत ।
- (घ) भारत में वास्तविक रूप से संदत्त या संदेय कीमत जो उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए समायोजित की गई हो ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पार्टी ने बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य अथवा बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में परिकलित सामान्य मूल्य उपलब्ध नहीं कराया है । याचिकाकर्ता का दावा है कि बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में संबद्ध वस्तु की कीमत सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है । अन्य देशों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत के बारे में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है । याचिकाकर्ता का दावा है कि यद्यपि, भारत में संबद्ध वस्तु का आयात हुआ है, तथापि, ऐसी कीमतें इस वजह से व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में नहीं हैं कि ये कीमतें उत्पादन लागत के अनुमान से कम रही हैं । प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत के लिए बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश से कीमत को तभी स्वीकार किया जा सकता है जब ये कीमतें उत्पादन लागत के अनुमान से कम हों । इन परिस्थितियों में और संबद्ध निर्यातकों के असहयोग तथा हितबद्ध पार्टियों द्वारा उपलब्ध न कराई गई किसी अधिसूचना को ध्यान में रखते हुए

प्राधिकारी लाभ मार्जिन को शामिल करने हेतु विधिवत समायोजित भारत में संदत्त या संदेय कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए बाध्य हुए हैं। तदनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत पर विचार करने के बाद किया गया है।

15. उत्पादन लागत का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने मैलामाइन के उत्पादन हेतु यूरिया को निविष्टि माना है। यूरिया की कीमत पर डीजीसीआईएंडस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों पर विचार करने के बाद भारत में भारित औसत आयात कीमत के आधार पर किया गया है। उपयोगिता लागत एवं परिवर्तन लागत घरेलू उद्योग के आधार पर की गई है। सामान्य मूल्य का निर्धारण बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा उचित लाभ जोड़कर किया गया है। तदनुसार कारखाना स्तर पर सामान्य मूल्य का निर्धारण *** अम.डॉ. प्रति कि.ग्रा. किया गया है।

घ.4 निर्यात कीमत

16. चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है और निर्धारित प्रपत्र और ढंग से सूचना प्रदान नहीं की है। किसी अन्य हितबद्ध पार्टी ने ऐसी कोई अन्य सूचना प्रदान नहीं की है जिसका उपयोग निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु किया जा सके। निर्धारित प्रपत्र में सूचना के अभाव में प्राधिकारी ने निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर भरोसा किया है। तदनुसार निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआईएंडस के आंकड़ों के अनुसार भारित औसत आयात कीमत के आधार पर किया गया है।

17. निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए निम्नलिखित समायोजन किये गए हैं: -

- (क) समुद्री भाड़ा 60 अम. डॉ. प्रति मी.ट. की दर से
- (ख) समुद्री बीमा सीआईएफ मूल्य के 0.57% की दर से
- (ग) पत्तन व्यय एफओबी मूल्य के 0.5% की दर से
- (घ) अंतरदेशीय भाड़ा एफओबी मूल्य के 0.5% की दर से
- (ङ) वैट के लिए समायोजन 12%

18. उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य एवं निवल निर्यात कीमत के आधार पर संबद्ध देश के सभी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निम्नानुसार है :-

विवरण	इकाई	चीन जन.गण.
सामान्य मूल्य	अम.डॉ./किग्रा.	***
निर्यात कीमत	अम.डॉ./किग्रा.	***
पाटन मार्जिन	अम.डॉ./किग्रा.	***
पाटन मार्जिन	%	32.48

ड. क्षति एवं कारणात्मक संबंध का निर्धारण

ड.1 घरेलू उद्योग के विचार

19. क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग ने अनेक तर्क दिए हैं जिनका सारांश निम्नानुसार है। मुख्य तर्क ये हैं कि :

क. मात्रात्मक मापदंडों तथा कीमत मापदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ है जिससे स्पष्टतः यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग बाजार में प्रतिस्पर्धा करने और अपने प्रचालन बनाए रखने की भरपूर कोशिश कर रहा है। ऐसा संबद्ध वस्तु पर शुल्क लगाए जाने के कारण हुआ है जिसकी वजह से चीन के खिलाफ शुल्क लगाए जाने के बाद इसमें वृद्धि हुई है। पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति पुनः होने लगेगी।

ख. वर्तमान प्रस्तावित जांच अवधि में चीन जन.गण. से विचाराधीन उत्पाद के निर्यात में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इससे चीन के निर्यातकों द्वारा सतत पाटन का पता चलता है।

ग. घरेलू उद्योग की कीमतें आयात कीमतों पर आधारित हैं। अतः पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री का सामना करना पड़ेगा।

ड.2. निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं आदि के विचार

20. चीन जन.गण. के किसी उत्पादक/निर्यातक से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। न ही किसी निर्यातक से क्षति एवं कारणात्मक संबंध सहित वर्तमान जांच के किसी पहलू के बारे में कोई तर्क दिया गया है।

ड.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

21. डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद 3.1 और नियमावली के अनुबंध-II में इन दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच की व्यवस्था है, (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव। पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी

वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमतों की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में महत्वपूर्ण स्तर तक कमी करना है या ऐसा कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी मात्रा में बढ़ गई होती।

22. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है:

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

23. प्राधिकारी ने क्षति जांच के बारे में हितबद्ध पार्टियों के तर्कों को नोट किया है और उठाए गए मुद्दों का समाधान उचित स्थानों पर किया है। प्राधिकारी ने हितबद्ध पार्टियों के तथ्यों और तर्कों को ध्यान में रखते हुए क्षति मापदंडों की तथ्यपरक जांच की है।
24. क्षति की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने सबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के घरेलू उद्योग पर मात्रा एवं कीमत प्रभाव और कीमत तथा लाभप्रदता पर उसके प्रभाव की जांच की है ताकि क्षति एवं पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की मौजूदगी की जांच की जा सके :

मांग का निर्धारण

25. प्राधिकारी ने देश में उत्पाद की मांग या प्रत्यक्ष खपत का निर्धारण घरेलू बिक्री और समस्त स्रोतों से हुए आयातों की राशि के रूप में किया है। इस प्रकार निर्धारित मांग को निम्नलिखित तालिका में देखा जा सकता है :

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	अपैल, 07- जून, 08 (जांच अवधि)	वार्षिकीकृत
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	15,373	16,717	15,563	18,696	14,956
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	101	122	97
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	-	-	-	-	-

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	-	-	-	-
चीन जन.गण. से आयात	मी.ट.	1,321	281	1,747	9,455	7,564
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	21	132	716	573
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	4,648	4,050	5,693	9,401	7,521
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	122	202	162
मांग/खपत	मी.ट.	21,342	21,048	23,002	37,552	30,042
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	108	176	141

प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान देश में उत्पाद की मांग में सकारात्मक वृद्धि प्रतीत हुई है। आधार वर्ष की तुलना में विचाराधीन उत्पाद की मांग में 41% की वृद्धि हुई है।

आयात की मात्रा और बाजार हिस्सा

26. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, इस बात की जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (ii) में निम्नानुसार उपबंध है: -

"पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेगा कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है ..."

27. आयात की मात्रा एवं बाजार हिस्से से संबंधित सूचना निम्नलिखित तालिका में दी गई है:

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	अप्रैल, 07- जून, 08	वार्षिकीकृत
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	15,373	16,717	15,563	18,696	14,956
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	101	122	97
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	-	-	-	-	-
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	-	-	-	-

संबद्ध देश चीन जन. गण.	मी.ट.	1,321	281	1,747	9,455	7,564
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	21	132	716	573
अन्य देश	मी.ट.	4,648	4,050	5,693	9,401	7,521
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	122	202	162
कुल आयात	मी.ट.	5,969	4,331	7,440	18,857	15,085
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	73	125	316	253
भारतीय उत्पादन के संबंध में आयात	%	8.91	1.83	11.39	51.92	51.92
मांग	मी.ट.	21,342	21,048	23,002	37,552	30,042
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	108	176	141
मांग में बाजार हिस्सा						
➤ घरेलू उद्योग	%	72.03	79.42	67.66	49.79	49.79
➤ अन्य भारतीय उत्पादक	%	-	-	-	-	-
➤ संबद्ध देश चीन जन. गण.	%	6.19	1.33	7.59	25.18	25.18
➤ अन्य देश	%	21.78	19.24	24.75	25.04	25.04
कुल	%	100%	100%	100%	100%	100%

28. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2006-07 तक चीन जन.गण. से आयातों की मात्रा तीसरे देशों की तुलना में काफी कम रही थी। इस अवधि में आयातों की पहुंच कीमत बैंच मार्क से कम रही थी। तथापि जांच अवधि के दौरान आयातों की पहुंच कीमत बैंच मार्क को पार कर गई और चीन से आयातों की मात्रा 281 मी.ट. (2005-06), 1,747 मी.ट. (2006-07) से अत्यधिक बढ़कर जांच अवधि में 9,455 मी.ट. हो गई। घरेलू उद्योग ने यह बताया है कि विचाराधीन उत्पाद का आयात अग्रिम लाइसेंस पर भी किया जा रहा है। प्राधिकारी का मानना है कि यद्यपि, आयातों की पहुंच कीमत बैंचमार्क से कम रहने की वजह से आयात की मात्रा काफी कम रही (अर्थात् जब तक आयातों पर पाटनरोधी शुल्क संदेय था) तथापि, आयात

कीमतों में इतनी अधिक वृद्धि होने के बाद इसकी मात्रा इतनी बढ़ गई कि ऐसा लगा कि मानो कि पाटनरोधी शुल्क का भुगतान नहीं किया जा रहा है ।

विचाराधीन उत्पाद की खपत में चीन जन.गण. का बाजार हिस्सा वर्ष 2006-07 तक कम रहा जब आयातों की पहुंच कीमत बैंचमार्क से कम थी । तथापि, जांच अवधि जब चीन से आयातों की पहुंच कीमत तुलनीय या बैंचमार्क से अधिक हो गई, के दौरान भारत में मांग में चीन के आयातों के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई ।

कीमत प्रभाव

29. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, नियमावली के अनुबंध-II (ii) में निम्नानुसार निर्धारित है:

"नियम 18 के उपनियम (2) में यथा उल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत कटौती की जा रही है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में अत्यधिक मात्रा में कमी करना है या ऐसी कीमत को रोकना है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती । "

30. वर्तमान मामले में प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

(क) इस अवधि के दौरान चीन की निर्यात कीमत में वृद्धि हुई है । तथापि, याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि (क) आयात कीमत में वृद्धि घरेलू उद्योग द्वारा कीमत में की गई वृद्धि से काफी कम है । (ख) कीमत में वृद्धि निविष्टि लागत में बढ़ोत्तरी के कारण हुई थी ।

(ख) आयातों की पहुंच कीमत के साथ घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत की तुलना से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की कीमतें आयात कीमतों के अनुरूप रही हैं और जांच अवधि में पहुंच कीमतों की जकड़ में आ गई हैं । जांच अवधि में कीमत कटौती मामूली ऋणात्मक रही है जिससे स्पष्टतः यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की कीमतें निर्यात कीमतों से संबद्ध हैं ।

(ग) तथापि, आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षतिरहित कीमत से काफी कम है । यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत क्षतिरहित कीमत से कम है । इस प्रकार आयातों का बाजार में विचाराधीन उत्पाद की कीमत पर ह्रासकारी प्रभाव पड़ा है । यह दावा किया गया है कि शुल्क की समाप्ति के परिणामस्वरूप बाजार में कम कीमत पर बिक्री होगी ।

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	अप्रैल 07- जून, 08
नियत बिक्री प्राप्ति	रु./मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	96	102	120
पहुंच कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	109	95	111
कीमत कटौती	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती (%)	%	(5-15)	(20-30)	(5-10)	(0-5)
क्षति रहित कीमत	रु./मी.ट.				***
कम कीमत पर बिक्री	रु./मी.ट.				***
कम कीमत पर बिक्री (%)	%				8-12%

घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मापदंड

31. नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योगों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त आर्थिक कारकों एवं संकेतकों; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक एवं संभावित नकरात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।

उत्पादन, बिक्री, क्षमता एवं क्षमता उपयोग

32. घरेलू उद्योग का वास्तविक उत्पादन, क्षमता और क्षमता उपयोग निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है।

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	अप्रैल, 07- जून, 08 (जांच अवधि)	वार्षिकीकृत
घरेलू उद्योग की बिक्री						
घरेलू	मी.ट.	12,873	15,817	15,543	18,696	14,956
निर्यात	मी.ट.	2,500	900	20	-	-
कुल बिक्री	मी.ट.	15,373	16,717	15,563	18,696	14,956
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	101	122	97
घरेलू उद्योग का उत्पादन	मी.ट.	14,823	15,323	15,335	18,210	14,568
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	103	123	98
क्षमता	मी.ट.	15,000	15,000	15,000	18,750	15,000
घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग	%	98.82	102.15	102.23	97.12	97.12

यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन तथा परिणामी क्षमता उपयोग में वर्ष 2006-07 तक सुधार हुआ परंतु जांच अवधि में गिरावट आई। घरेलू उद्योग की बिक्री में वर्ष 2005-06 तक वृद्धि हुई परंतु उसके बाद 2006-07 और फिर जांच अवधि में गिरावट आई। उत्पादन, बिक्री तथा क्षमता उपयोग के साथ आयातों की तुलना से यह पता चलता है कि यद्यपि जांच अवधि में आयातों में वृद्धि हुई तथापि, इसी अवधि में घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में गिरावट आई। तथापि, इन गिरावटों को जांच अवधि के दौरान काफी नहीं माना गया है।

बाजार हिस्सा :

33. भारत में मांग में घरेलू उद्योग तथा कई अन्य पार्टियों का हिस्सा निम्नानुसार रहा था:

(आंकड़े % में)

विवरण	2004-05	2005-06	2006-07	अप्रैल, 07- जून, 08 (जांच अवधि)	वार्षिकीकृत
घरेलू उद्योग	72.03	79.42	67.66	49.79	49.79
अन्य भारतीय उत्पादक	-	-	-	-	-
संबद्ध देश-चीन	6.19	1.33	7.59	25.18	25.18

अन्य देश	21.78	19.24	24.75	25.04	25.04
----------	-------	-------	-------	-------	-------

34. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि में कुल मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में भारी कमी आई। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद घरेलू उद्योग के हिस्से में सुधार हुआ और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में 2005-06 में चीन के हिस्से में गिरावट आई। लेकिन उसके बाद जहां आयातों के हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई, वहीं घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई। इसके अलावा, तीसरे देशों से हुए आयातों के हिस्से में भी वृद्धि हुई, तथापि चीन के हिस्से में हुई वृद्धि तीसरे देशों के हिस्से में हुई वृद्धि से काफी अधिक रही थी। इसी समय घरेलू उद्योग ने बिक्री मात्रा में समग्र रूप में और विशेषकर जांच अवधि के दौरान घाटा उठाया। घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि यद्यपि, अग्रिम लाइसेंस पर विचाराधीन उत्पादन का कुछ आयात हुआ है, तथापि, भारत सरकार द्वारा प्रदत्त शुल्क छूट के कारण सभी आयात नहीं हुए हैं। घरेलू उद्योग ने आगे यह दावा किया है कि चीन से आयात न हुए होते तो उसने और अधिक मात्रा में बिक्री की होती।

लाभ/हानि, निवेश पर आय तथा नकद प्रवाह

35. निवेश पर आय, कर पूर्व एवं पश्चात लाभ/हानि, निवेश पर आय एवं नकद लाभ की स्थिति निम्नलिखित तालिका के अनुसार रही है:

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	अप्रैल, 07- जून, 08 (जांच अवधि)	वार्षिकीकृत
लाभ/(हानि)						
उत्पादन की लागत - घरेलू	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	107	119	119
बिक्री कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	101	119	119
लाभ/(हानि)	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	116	85	118	118
लाभ/(हानि)	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	143	102	137	137
कर पूर्व एवं पश्चात लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	124	83	105	105
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	134	102	130	130
एन एफ ए आधार पर लगाई गई पूंजी पर आय	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	127	85	100	100

36. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद लाभ कमाने में समर्थ हुआ (मूल जांच के समय जांच अवधि में उद्योग वित्तीय घाटा उठा रहा था)। इसके अलावा, वर्ष 2004-05 और 2005-06 के बीच लाभप्रदता में सुधार हुआ। यद्यपि, लाभप्रदता में 2006-07 में गिरावट आई, तथापि, जांच अवधि में उसमें एक बार फिर सुधार हुआ। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि मूल जांच के समय घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हो रहा था और वर्तमान शुल्क समाप्त किए जाने पर वही स्थिति पुनः उत्पन्न हो जाएगी। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया है कि चीन में हुए ओलंपिक खेलों के कारण चीन में मैलामाइन की कीमतों में अस्थायी वृद्धि हुई थी।

घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि विचाराधीन उत्पाद के संबंध में उसके लाभ का निर्धारण बाजार कीमत पर प्राकृतिक गैस पर विचार करने के बाद किया जाना चाहिए। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि वह उर्वरक उत्पादक हेतु काफी कम कीमत पर प्राकृतिक गैस प्राप्त करता है। इतनी कम कीमत की प्राकृतिक गैस के संबंध में घरेलू उद्योग का दावा उर्वरक उत्पादन के लिए विशेष रूप से किया गया था और यह घरेलू उद्योग के लिए खुला हुआ था कि वह मैलामाइन के विनिर्माण के लिए अपेक्षित यूरिया के उत्पादन के लिए ऐसी रियायती कीमत पर प्राकृतिक गैस प्राप्त करे। घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोध में यह दावा किया है कि प्राकृतिक गैस की कीमत में भारी अंतर था, जिसका मैलामाइन में लगभग *** रूपए प्रति किग्रा. का प्रभाव पड़ा था। दूसरे शब्दों में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता उस स्थिति में काफी कम रहेगी, यदि प्राकृतिक गैस को कंपनी द्वारा प्रदत्त औसत कीमत पर लिया जाएगा।

घरेलू उद्योग के तर्क की जांच की गई है और यह नोट किया गया है कि प्राधिकारी ने प्राकृतिक गैस की औसत कीमत पर विचार करने के बाद लाभ निर्धारित किया है जो घरेलू उद्योग द्वारा रखे गए रिकॉर्डों पर आधारित है।

37. नकद प्रवाह पर पाटित आयातों के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए प्राधिकारी ने नकद लाभ में प्रवृत्तियों पर विचार किया है क्योंकि घरेलू उद्योग एक बहु-उत्पाद कंपनी है और कंपनी के नकद प्रवाह की स्थिति संबद्ध वस्तु में व्याप्त स्थितियों का संकेत नहीं होगी। नकद लाभ का निर्धारण लाभ (कर पूर्व लाभ) में मूल्यहास की राशि को जोड़कर किया गया है। आंकड़ों से लाभ जैसी प्रवृत्ति का पता चलता है। नकद लाभ में 2005-06 में वृद्धि हुई और तत्पश्चात 2006-07 में गिरावट आई। नकद लाभ में जांच अवधि में पुनः वृद्धि हुई।

लगाई गई पूंजी पर आय पर पाटित आयातों के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए प्राधिकारी ने ब्याज पूर्व लाभ का निर्धारण किया और उसकी तुलना विचाराधीन उत्पाद में घरेलू उद्योग द्वारा लगाई गई पूंजी के साथ की। यह पाया गया कि लगाई गई पूंजी पर आय में 2005-06 में

वृद्धि हुई और तत्पश्चात् 2006-07 में गिरावट आई । यद्यपि लगाई गई पूंजी पर आय में जांच अवधि में पुनः वृद्धि हुई, तथापि, वह 2005-06 में प्राप्त स्तर से कम रही थी ।

मालसूची

38. घरेलू उद्योग के पास तैयार उत्पादों का औसत स्टॉक कम हुआ है जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है । यह दावा किया गया है कि माल सूची के कम स्तर और उत्पादन में गिरावट से मालसूची को सीमित करने तथा उत्पादन को नियंत्रित करने के संबंध में कंपनी की नीति का पता चलता है ।

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	अप्रैल, 07-जून, 08 (जांच अवधि)	वार्षिकीकृत
औसत स्टॉक	मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	60	27	12	10

रोजगार तथा मजदूरी

39. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता एक बहु-उत्पाद कंपनी है और पाटनरोधी शुल्क लागू है । इन मापदंडों से पर्याप्त क्षति का पता नहीं चलता है । रोजगार और मजदूरी, दोनों में वृद्धि प्रदर्शित हुई है ।

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	अप्रैल, 07-जून, 08 (जांच अवधि)	वार्षिकीकृत
रोजगार	संख्या	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	97	108	108
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	122	174	139

उत्पादकता

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	अप्रैल, 07-जून, 08 (जांच अवधि)	वार्षिकीकृत
प्रति दिवस उत्पादकता	मी.ट./दिन	42	44	44	42	42
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट./सं.	232	243	247	211	211

40. घरेलू उद्योग की उत्पादकता में उत्पादन के समान प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। जांच अवधि में उत्पादन में गिरावट आने के कारण उत्पादकता में भी कुछ गिरावट प्रदर्शित हुई है।

वृद्धि

41. बिक्री मात्रा, उत्पादन एवं क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक है। तथापि, कीमत मापदंडों से सकारात्मक वृद्धि का पता चलता है।

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	अप्रैल, 07-जून, 08 (जांच अवधि)	वार्षिकीकृत
वृद्धि						
उत्पादन में	वाई/वाई		500.00	12.00	(767.00)	(767.00)
घरेलू बिक्री में	वाई/वाई		2,943.35	(274.23)	(586.04)	(586.04)
क्षमता उपयोग में	वाई/वाई		3.33	0.08	(5.11)	(5.11)
बिक्री की लागत में रु./मी.ट.	वाई/वाई		***	***	***	***
प्रवृत्ति			-100	154	97	97

बिक्री कीमत में रु./मी.ट.	वाई/वाई		***	***	***	***
प्रवृत्ति			100	117	376	376
लाभ/हानि में रु./मी.ट.	वाई/वाई		***	***	***	***
प्रवृत्ति			100	-194	207	207
लाभ/हानि में लाख रुपए	वाई/वाई		***	***	***	***
प्रवृत्ति			100	-95	82	82
पीबीटी में लाभ/हानि में	वाई/वाई		***	***	***	***
प्रवृत्ति			100	-170	92	92
पीबीटी में रु./मी.ट.	वाई/वाई		***	***	***	***
प्रवृत्ति			100	-95	83	83
आरओआई में	वाई/वाई		***	***	***	***
प्रवृत्ति			100	-157	78	58

पाटन मार्जिन

42. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पूर्ववर्ती जांच में निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक था। वर्तमान मामले में निर्धारित पाटन मार्जिन भी काफी अधिक है।

पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद कंपनी है जिसमें संबद्ध वस्तु का हिस्सा कुल कारोबार का केवल 3% है। याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि वह कंपनी का विस्तार करना चाहता है जिसके लिए कंपनी प्रयास कर रही है। इस तथ्य की सूचना उनकी वार्षिक रिपोर्ट में भी दी गई है। अतः याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि व्यवहार्य बने रहने के लिए ऐसे विस्तार हेतु उचित बाजारी स्थितियां महत्वपूर्ण हैं। इस समय कंपनी पर ब्याज एवं मूल्यहास का अत्यंत कम भार है। तथापि, एक बार विस्तार पूरा हो जाने पर उससे ब्याज एवं मूल्यहास की लागत में वृद्धि होना लाजिमी है।

च. पाटन एवं क्षति का जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना

44. वर्तमान जांच एक समीक्षा जांच है और निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। इस मामले में आयातों का सतत पाटन हुआ है इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या शुल्क की समाप्ति से उत्पाद का सतत पाटन होने की संभावना है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान पाटन मार्जिन काफी अधिक है। यह भी नोट किया जाता है कि पूर्व में संपन्न जांच में भी पाटन मार्जिन अधिक था। इसके अलावा, आयातों की पहुंच कीमत विद्यमान बैचमार्क से अधिक होने के कारण आयात की मात्रा में तेजी से वृद्धि हुई है।

45. निर्णायक समीक्षा जांच में पाटन की संभावना की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उसी कार्य पद्धति और प्रक्रिया को लागू किया है जैसी कि मूल जांच में लागू की गई थी। जांच अवधि के लिए पाटन मार्जिन की भी पुनः गणना की गई है।

46. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु का अभी भी भारत को निर्यात भारी मात्रा में किया जा रहा है और चीन के निर्यातकों ने पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद भी लगातार पाटन किया है। इसके अलावा, वर्तमान शुल्क के बावजूद आयात मात्रा काफी अधिक है। यह दावा किया गया है कि वर्तमान स्थिति से स्पष्ट तौर पर यह संकेत मिलता है कि (क) पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन जारी रहेगा; (ख) वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने पर इस मात्रा में आगे और वृद्धि होगी। यह दावा किया गया कि मूल जांच और वर्तमान जांच के समय विद्यमान मापदंडों/परिस्थितियों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। उपर्युक्त से यह स्पष्ट हो जाता है कि पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम सीमा से अधिक है, अपितु काफी उच्च भी है। जो परिस्थितियां मूल जांच के समय विद्यमान थीं, वे वर्तमान अवधि में भी उसी रूप में हैं।

यह जांच करने के लिए कि क्या पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में अथवा उसकी अवधि आगे और 5 वर्ष न बढ़ाए जाने पर पाटन एवं परिणामी क्षति होगी तथा उसमें अधिक वृद्धि होगी, प्रकाशित सूचना के आधार पर विश्व के विभिन्न देशों को चीन से हुए मैलामाइन के निर्यातों का विश्लेषण किया गया है। चीन सीमाशुल्क के निर्यात आंकड़ों के विश्लेषण से निम्नानुसार पता चलता है :

(क) चीन द्वारा विचाराधीन उत्पाद का निर्यात कई देशों (70 से अधिक देशों) को किया जा रहा है।

(ख) भारत के लिए चीन से निर्यात की कीमत आम तौर पर अन्य देशों को हुए निर्यातों की कीमत से काफी अधिक है। विचाराधीन उत्पाद का चीन द्वारा निर्यात (क) भारतीय कीमत से अधिक कीमत पर और भारतीय कीमत से कम कीमत पर किया जा रहा है, इसका विश्लेषण किया गया है। निम्नलिखित तालिका से वस्तुस्थिति का पता चलता है।

	मूल्य	कीमत	मूल्य (000 रूपए)	कुल आयातों में हिस्सा
भारत को निर्यात	7,424	50.81	377,258	5.58%
अन्य देशों को निर्यात				
➤ भारत से अधिक कीमत पर	6,671	52.46	349,974	5.02%
➤ भारत से कम कीमत पर	118,863	45.48	5,405,706	89.40%
कुल निर्यात	132,958	46.13	6,132,937	100.00%

यह देखा गया था कि चीन के लगभग 90% निर्यात भारत के लिए कीमत से 10% से कम कीमत पर हुए हैं ।

(ग) यह दावा किया गया है कि चूंकि भारत को निर्यात पाटित कीमतों पर किए गए हैं, इसलिए तीसरे देशों को निर्यात भी पाटित कीमतों पर हुए हैं । प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों के लिए चीन से संबद्ध वस्तु की निर्यात कीमत भारत के लिए निर्यात कीमत से काफी कम होने के कारण चीन जन.गण. से भारत में संबद्ध वस्तु का आगे और पाटन किए जाने तथा इसकी मात्रा में वृद्धि होने एवं वास्तविक तथा पर्याप्त क्षति होने की संभावना है ।

(घ) प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के उत्पादक भारतीय बाजार में तीसरे देशों को अपने निर्यात करने के इच्छुक होंगे क्योंकि तीसरे देशों में कीमतें कम हैं और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत चीन के निर्यातों की पहुंच कीमत से अभी भी अधिक हैं । यह भी नोट किया जाता है कि यद्यपि वर्तमान निर्यातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती नहीं हो रही है, तथापि, इस बात की प्रबल संभावना है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पहुंच कीमतों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती होगी ।

(ङ) तीसरे देशों को वर्तमान निर्यात भारतीय बाजार में लगभग 40,000 मी.ट. की स्थापित मांग से काफी अधिक हैं । याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि वर्तमान जांच अवधि में मांग स्पष्टतः अधिक होगी, जिसकी पुष्टि परवर्ती अवधि में मांग द्वारा होती है । इस प्रकार चीन के निर्यात समूची भारतीय मांग को पूरा करने में सक्षम हैं ।

(च) आयातों की वर्तमान पहुंच कीमत घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षतिरहित कीमत से काफी कम है । यह दावा किया गया है कि संभावित आयात कीमत वर्तमान आयात कीमत से कम होगी और निर्यात क्षतिरहित कीमत से कम कीमत पर होने की संभावना है । प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के तर्क की जांच की है और यह नोट किया है

कि समीक्षा जांच की जांच अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री मार्जिन अधिक है और इस बात की प्रबल संभावना रहती है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने पर बाजार में लगातार कम कीमत पर बिक्री होगी ।

(छ) घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए साक्ष्य से चीन के बाजार में स्थापित क्षमता 4,26,800 मी.ट. के आसपास प्रदर्शित होती है । प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के तर्कों को नोट किया है और यह नोट किया है कि वर्तमान निर्यात 1.33 लाख मी.ट. और वृद्धि दर वर्ष 2005-06 तथा 2007-08 के बीच लगभग 46% होने के कारण चीन के उत्पादकों के पास पर्याप्त अप्रयुक्त क्षमताएं पड़ी हुई हैं ।

उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में सतत पाटन होने और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने की संभावना है ।

छ. अन्य ज्ञात कारक तथा कारणात्मक संबंध

47. प्राधिकारी ने अन्य कारकों द्वारा हुई क्षति, यदि कोई हो, को अलग करने के लिए कारणात्मक संबंध एवं नियमों में निर्धारित अन्य कारणोत्तर कारकों के मुद्दे की जांच की है । इस संबंध में नियमों में निर्धारित निम्नलिखित सांकेतिक कारकों की जांच की गई है ।

(क) पाटित कीमतों पर बेचे न गए आयातों की मात्रा और कीमत

प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीसरे देशों से हुए आयातों की सूचना समूची क्षति अवधि में दी जाती रही है । वर्ष 2004-05 और 2005-06 के बीच आयात की मात्रा लगभग समान स्तर पर रही है । आयातों में वर्ष 2006-07 और जांच अवधि में वृद्धि हुई । तथापि, जांच अवधि में तीसरे देशों से आयातों में वृद्धि चीन से हुए आयातों में हुई वृद्धि से काफी कम रही थी । यद्यपि, वर्ष 2006-07 और जांच अवधि के बीच चीन से हुए आयातों में 300% से अधिक की वृद्धि हुई, तथापि, इसी अवधि के दौरान तीसरे देशों से हुए आयातों में केवल 32% की वृद्धि हुई ।

(ख) विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग तथा अन्य भारतीय उत्पादकों द्वारा अपनाया गया कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार नहीं पाया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार विद्यमान नहीं है । देश में विचाराधीन उत्पाद का कोई अन्य उत्पादक नहीं है, इसलिए घरेलू उद्योग की कीमत आयातों से सीधे जुड़ी हुई है ।

(ग) मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

विचाराधीन अवधि के दौरान समग्र मांग में कोई कमी नहीं आई है । अतः मांग में कोई संभावित गिरावट वह कारक नहीं है, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है । खपत की पद्धति में परिवर्तन के बारे में हितबद्ध पार्टियों ने कोई तर्क नहीं दिया है और न ही यह प्रतीत होता है कि खपत की पद्धति में परिवर्तन से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है । इसके विपरीत, विचाराधीन उत्पाद की मांग में वर्ष 2004-05

और 2006-07 के बीच केवल 8% की वृद्धि हुई तथा वर्ष 2006-07 और जांच अवधि के बीच काफी अधिक 31% की वृद्धि हुई ।

(घ) निर्यात निष्पादन

घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री में गिरावट आई है । तथापि, घरेलू बिक्री के संबंध में आंकड़ों की अलग से जांच की गई है । इसके अलावा उत्पाद में घरेलू प्रचालनों के लिए ही कीमत मापदंडों की जांच की गई है । अतः निर्यातों में आई गिरावट से घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है ।

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि वार्षिकीकृत
निर्यात बिक्री	मी.ट.	2,500	900	20	- -

(ङ) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

जांच अवधि में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में मामूली गिरावट आई है । तथापि, यदि घरेलू उद्योग की उत्पादकता पर सर्वोत्तम संभावित स्तर पर विचार किया जाए तो यह देखा जाता है कि उसका घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग के निष्पादन पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा होगा ।

ज. अंतिम जांच परिणाम

48. हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना और किए गए अनुरोध तथा हितबद्ध पार्टियों के अनुरोधों के जरिए अथवा उपर्युक्त जांच परिणाम में अन्यथा दर्ज किए गए अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और वर्तमान एवं संभावित पाटन तथा क्षति की स्थिति तथा पाटन एवं क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- i) संबद्ध वस्तु भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रही है और चीन से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन पर्याप्त तथा न्यूनतम सीमा से अधिक है ।
- ii) भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु के पाटित कीमतों पर प्रवेश जारी रहने की संभावना है ।
- iii) यद्यपि, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ है, तथापि घरेलू उद्योग की स्थिति नाजुक बनी हुई है और पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है ।

सिफारिशें:

49. चीन जन.गण.से हुए पाटित आयातों के पाटन और उनसे होने वाली क्षति की संभावना के सकारात्मक निर्धारण को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का मत यह है कि

चीन जन.गण. से हुए आयातों के विरुद्ध लागू उपाय को जारी रखना अपेक्षित है । तथापि, चीन जन.गण. से पाटन के वर्तमान स्तर और घरेलू उद्योग के निष्पादन पर विचार करते हुए प्राधिकारी की राय यह है कि लागू उपाय में संशोधन करने की जरूरत है । प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे उल्लिखित प्रपत्र में और ढंग से पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हैं ।

50. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन, जो भी कम जो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं । इस बात पर विचार करते हुए कि मूल जांच में शुल्क बेंचमार्क शुल्क के आधार पर लगाया गया था, प्राधिकारी निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की सिफारिश करते हैं । तदनुसार संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित मैलामाइन के समस्त आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि और आयातों पहुंच मूल्य के बीच के अंतर के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है ।

क्र.सं.	टैरिफ मद	वस्तु विवरण	निर्दिष्ट	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
-1	-2	-3	-4	-5	-6	-7	-8	-9	-10	-11
1	2933 61 00	मैलामाइन	मैलामाइन	चीन जन.गण.	कोई	कोई	कोई	1681.49	मीट्रिक टन	अम.डॉ.
2	2933 61 00	मैलामाइन	मैलामाइन	चीन जन.गण. से इतर अन्य कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	1681.49	मीट्रिक टन	अम.डॉ.

51. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें उक्त अधिनियम की धारा 3,3 क, 8 ख, 9 और 9 क के अंतर्गत लागू शुल्क को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल हैं;

52. इस सिफारिश के परिणामस्वरूप केन्द्र सरकार के आदेशों के खिलाफ कोई अपील अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी ।

आर गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 20th November, 2009

Final Findings**(Sunset Review)****Subject : Sunset review of Anti-Dumping duties imposed on imports of Melamine originating in or exported from China PR**

No. 15/29/2008-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules) ;

A Background and Procedure

1. The procedure described below has been with regard to the investigation:

i). Whereas the Designated Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, initiated the original investigation vide Notification No. 14/16/2003-DGAD dated 10th Sep, 2003. The Authority issued its Final findings recommending imposition of definitive Anti Dumping Duty on imports of Melamine (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred as subject country), vide Notification No. 14/16/2003-DGAD dated 3rd Sep, 2004 and such definitive duty was imposed by the Govt. of India vide Customs Notification No. 107/2004 dated 16.11.2004.

ii). The Designated Authority initiated the sunset review investigation of anti-dumping duty imposed on imports of Melamine originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as subject country) following a request to this effect by the domestic industry comprising of M/s. Gujarat State Fertilizers & Chemicals Ltd., Vadodara. The request was based on the grounds that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry. The petitioner claimed provided prima facie evidence in this regard and requested for the extension of the anti dumping duty on subject goods from the subject country.

iii). Having satisfied on the basis of sufficient positive evidence submitted by the domestic industry substantiating the need for a review, the Designated Authority issued a Public Notice No. 15/29/2008-DGAD dated 21st November, 2008 published in the

Gazette of India, Extraordinary, initiating sunset review of the anti-dumping investigations to review the need for continued imposition of duties in force, whether the expiry of the duty would be likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury and whether the anti dumping duty in force was required to be extended further.

iv). After initiation of the review investigation, the Authority notified the domestic industry, all known exporters/producers in the subject country and known importers, calling for questionnaire responses and necessary information in accordance with Rule 6(4);

v). The Embassy of China PR in New Delhi was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2), with a request to advise the exporters/producers in their country to respond to the questionnaire within the prescribed time.

vi). Copy of the non-confidential version of the petition filed by the domestic industry was made available to the known exporters and the Embassies of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra.

vii). The period of investigation for the purpose of the present review is 1st April 2007 to 31st June 2008(POI). However, injury analysis covered the periods April 2004 – March 2005, April 2005 – March 2006, April 2006 – March 2007 and POI.

viii). A copy of initiation notification along with exporters' questionnaires were sent to the following known exporters from subject country in accordance with the rule 6(4) to elicit relevant information:

- a. China Huaya Group Co. Ltd.
- b. Yingkou Tianyuan Elaborate Chemical Industry Co. Ltd.
- c. Inner Mongolia Ihjuchem Industrial Co. Ltd.
- d. Naier Chemical Co. Ltd.
- e. Henan Harvest International Co. Ltd.
- f. Henan Hongye Chemical Co. Ltd.
- g. Golden Elephant Chemical Co. Ltd.

None of the exporters responded to the Authority in response to the above notification.

ix). Initiation notification and importer questionnaire was sent to following known importers/consumers of the subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4). None of the interested parties filed any questionnaire response.

- a. Greenply Industries Ltd.
- b. Merino Industries Ltd.,
- c. Merino Panel Products Ltd.
- d. Golden Laminates Ltd,
- e. Surya Vikas Plywood Pvt. Ltd.
- f. Katyani Chemtech India Ltd.
- g. Rushil Décor Ltd.
- h. Sundek India Ltd.
- i. Bloom Dekor Ltd.
- j. HEF India Private Ltd.
- k. Century Plyboards India Ltd.
- l. Managlam Timber Products Ltd.
- m. Virgo Industries
- n. Alfa Ica Ltd.
- o. The Bombay Burmah Trading Co.

x). The product under consideration, Melamine, is classified under Chapter 29 under sub-heading 29336100. The DGCI&S data has been taken for the imports analysis over the injury period.

xi). The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the authority and kept open for inspection by the interested parties.

xii). M/s. Gujarat State Fertilizers & Chemicals Ltd., Vadodara, being domestic industry, submitted the information/data. Additional information was called from the domestic industry, which was also provided. The Authority examined the information furnished by the domestic industry to the extent possible on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to examine the injury suffered, to work out optimum cost of production, cost to make and sell the subject goods in India and so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.

xiii). In accordance with Rule 6(6), the Authority provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 23.09.2009. The parties, which presented their views in the public hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally. Only domestic industry attended the oral hearing. The written submissions received from interested parties have been considered in this disclosure statement;

xiv). The Authority has considered all views expressed and submissions made by various interested parties to the extent they are relevant for the present investigation.

xv). In accordance with Rule 16 of the anti-dumping Rules, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to the known interested parties and comments received on the same have been examined in the final findings. Following the disclosure statement, only the domestic industry has made submissions which have been analysed at appropriate headings.

xvi). Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted, and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever necessary, parties provided information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

xvii). Whenever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigations, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these findings on the basis of the facts available.

xviii). *** in this statement represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the authority under the Rules.

B. Product Under Consideration And 'Like Article

B.1

2.1 The product under consideration in the original investigation as also in the present investigations is Melamine (also referred to as subject goods). The product under consideration, Melamine, is classified under Chapter 29 under subheading 29336100. The classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

2.2 Following issues are raised by the domestic industry with regard to product under consideration and like article:

- a. Present review investigation is a sunset review investigation, product under consideration remains the same as has been defined in the previous investigations.
- b. There is no material change or development in the product characteristics between the original investigation and product being produced and sold world-over at present.
- c. The goods produced by the domestic industry are like article to the imported product. The issue of product under consideration and like article was examined in detail by the Designated Authority in the original investigations and is required to be confirmed.

B.2 Views of the importers, consumers, exporters and other interested parties

3. None of the exporters, importers, consumers and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to product under consideration and like articles.

B.3 Examination by The Authority

4. The product under consideration in the original investigation as also in the present investigations is Melamine (also referred to as subject goods). The product was defined in the original investigation as follows:

“The product under consideration in the present investigations is Melamine, a tasteless, odourless, and non-toxic substance. Melamine is reacted with formaldehyde and made into resins or moulding powder for making innumerable products of beauty and utility. Melamine formaldehyde resin used for laminates offer good hardness, resistance to scratch, stain, water and heat. Laminates used in some electrical applications possess high mechanical strength, good heat resistance and good electrical insulating properties.”

In view of no argument from any interested party with regard to product under consideration, the Authority confirms the scope of the product under consideration as considered above and as has been stated herein.

5. The product under consideration, Melamine, is classified under Chapter 29 under subheading 29336100. The classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

6. There is no significant difference in the Melamine produced by the Domestic Industry and the Melamine exported from China PR. Melamine produced by the domestic industry and exported from China PR are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical properties, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing. Even though there are different manufacturing process/technologies involved for production of Melamine, the end product has comparable specifications and is used interchangeably. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used the two interchangeably. Melamine produced by the domestic industry and imported from China PR has been treated as like article in accordance with the Anti-Dumping Rules.

C. Standing and scope of the Domestic Industry

C.1 Views Of the Domestic Industry

7. In the present investigation, M/s Gujarat State Fertilizers & Chemicals Ltd. has filed the petition on behalf of domestic industry. The company is the sole producer of the subject goods in India. Thus, petitioner accounts for 100% of total Indian production”

and therefore, petition satisfies the requirement of standing within the meaning of the anti dumping rules.

C.2 Views of the Importers, Consumers, Exporters and Other Interested parties

8. None of the exporters, importers, consumers and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to domestic industry and its standing.

C.3 Examination by the Designated Authority

9. There is only one known producer of the subject product in India, namely M/s. Gujarat State Fertilizers & Chemicals Ltd., Vadodara. The present sunset review application for continued imposition of anti dumping duty has been filed by M/s. Gujarat State Fertilizers & Chemicals Ltd., Vadodara. The company being the sole producer of subject goods in India accounts for 100% of Indian Production.

10. Rule 2(b) under the Rules provides as follows: -

"(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case [such producers may be deemed] not to form part of domestic industry"

Petitioner is the only known producer of the subject goods in India, and thus constitutes domestic industry within the meaning of the Rules.

D Dumping Determination

Normal Value

D.1 Views of the Domestic Industry:

11. The views expressed by the domestic industry are as follows: -

(a) China PR is a non-market economy. No country has granted market economy country status to China PR after following elaborate evaluation parameters. China PR has been treated non-market economy by European Commission and United States in the past three years. European Union and United States are members of World Trade Organization. In India also, the Designated Authority has treated China PR as non-market economy.

(b) There are 15 conditions prescribed under the Rules each one of which an intending exporter has to satisfy in order to claim market economy treatment and the information and evidence relevant and necessary to establishment of such a claim. Petitioner has claimed China PR as non-market economy. Petitioner submits that unless the responding Chinese exporters satisfy all such 15 conditions, the Designated Authority is required to determine normal value in accordance with Para 7 of Annexure-I to the Rules.

(c) India is an appropriate surrogate country for Chinese producers. Not only consideration of India as a surrogate country would result in access to accurate and adequate information, there is no factual basis to consider that India would not be a proper surrogate country. India has been considered as an appropriate surrogate by other Investigating Authorities too.

(d) The normal value in China PR can thus be determined on the basis of (a) price in India, and (b) cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and profit. The normal value has been determined accordingly on the basis of cost of production, duly adjusted for selling, general & administrative expenses and profit.

(e) The goods are being exported from China PR at dumped prices and the same is established by the estimates of normal value and export price. The dumping margin is significantly high.

(f) Due to imposition of anti dumping duty on subject goods already the domestic industry has been able to improve production, sale, capacity utilization, profit/loss, return on investment, cash flow, etc.

(g) The authority may kindly extend the anti dumping duties at the earliest in order to check dumping being caused during the investigation.

D.2 Views of the Exporters/Importers/Other interested parties

12. None of the exporters, importers, consumers and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to export price, normal value and determination of dumping margin.

D.3 Examination by the Authority

13. Under section 9A (1) (c), normal value in relation to an article means:

(i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Normal Value in China PR

The Authority sent questionnaire to the known exporters from China PR, advising them to provide information in the form and manner prescribed. However, no response has been received to the questionnaires from any of the Chinese producer/exporter.

Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides that

In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or

where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the AD Rules.

As per Paragraph 8 of Annexure I of the AD Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China PR are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

The Authority notes that consequent upon the initiation notice issued by the Authority; none of the Chinese producers/exporters have submitted any response including the market economy questionnaire response and sought to rebut the non-market economy presumption. China PR is a non-market economy. The Authority has treated China PR as non-market economy unless the responding exporters satisfied each & every conditions prescribed under the Rules. Since none of the exporter from China PR have responded to the initiation notification and provided information in the form and manner prescribed, the Authority has determined the Normal Value in respect of China PR under para 7 of Annexure I of Anti-dumping Rules, considering China PR as non-market economy.

Under the Rules, the normal value in China PR can be determined on any of the following basis:

- (a) the price in a market economy third country,
- (b) constructed value in a market economy third country,

- (c) the price from such a third country to other country, including India.
- (d) the price actually paid or payable in India, adjusted to include a reasonable profit margin.

The Authority notes that none of the interested parties have provided normal value on the basis of price in a market economy third country, or constructed value in a market economy third country. Petitioner claimed that the prices of the subject goods in a market economy third country are not publicly available. No information is available with regard to the price from market economy third countries to other countries. The petitioner has claimed that even though there are imports of the subject goods in India, such prices were not in the ordinary course of trade for the reason that such prices were below estimates of cost of production. The Authority notes that the price from market economy third countries to India can be adopted only if such prices are above estimates of cost of production. Under the circumstances and in view of non cooperation from the concerned exporters and no other information having been made available by the interested parties, the Authority is constrained to determine normal value on the basis of price paid or payable in India, duly adjusted, to include profit margin. The normal value accordingly has been determined considering cost of production in India, duly adjusted to include selling, general & administrative expenses and reasonable profit.

15. For the purpose of determination of cost of production, the Authority has considered urea as the input for production of Melamine. Urea price has been considered on the basis of weighted average import price in India considering the data published by the DGCI&S. Utility cost and conversion cost has been taken on the basis of domestic industry. The normal value has been determined after additions for selling, general & administrative expenses and reasonable profit. Accordingly, the normal value at ex-factory level has been determined as US\$ *** per Kg.

D.4 Export Price

16. None of the exporters from China PR have responded to the initiation notification and provided information in the form and manner prescribed. None of the other interested parties have provided any other information that can be used for determination of export price. In the absence of information in the prescribed format, the Authority has relied upon the facts available as per Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules to determine the export price. Accordingly, export price has been determined on the basis of weighted average import price as per statistics available from DGCI&S.

17. The following adjustments have been made to arrive at the net export price: -

- (a) Ocean freight @ US\$ 60 pmt
- (b) Marine insurance @ 0.57% of CIF value
- (c) Port expenses @ 0.5% of FOB value
- (d) Inland freight @ 0.5% of FOB value
- (e) Adjustment on account of VAT 12%

18. On the basis of normal values and net export prices determined as above, the dumping margins for all exporters from subject country are as follows -

Particulars	Units	China PR
Normal Value	US\$/KG	***
Export Price	US\$/KG	***
Dumping Margin	US\$/KG	***
Dumping Margin	%	32.48

E. INJURY AND CAUSAL LINK DETERMINATION

E.1 Views of the Domestic Industry

19. The domestic industry has raised a number of arguments with regard to injury and causal link, which are summarized below. The main arguments are that:

a. The performance of the domestic industry improved in terms of volume parameters as well as price parameters which clearly shows that the domestic industry is trying its best to compete in the market and sustain its operations. This is due to imposition of duty on subject goods to increase after imposition of duty against China. Injury to the domestic industry will occur again in the event of revocation of anti dumping duties.

b. There is significant increase in exports of the product under consideration in the present proposed investigation period from China PR. This shows continued dumping by Chinese exporters.

c. The prices of the domestic industry are based on the import prices. Therefore, should the anti dumping duty be revoked, the domestic industry would be faced with significant price undercutting & underselling.

E.2 Views of exporters, importers, users etc

20. There has been no response from any producer/exporter in China PR. Nor has any arguments been advanced on any aspect of the present investigations, including on injury & causal link from any exporters.

E.3 Examination by the Authority

21. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

22. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure- II of the Anti Dumping Rules states as follows.

“The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having

a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments.”

23. The Authority has taken note of the arguments on injury examination and addressed the issues raised at appropriate places. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and the arguments of the interested parties.

24. For the purpose of current injury analysis the Authority has examined the volume and prices effects of imports of the subject goods from the subject country on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal link between dumping and injury, if any.

Assessment of Demand

25. The Authority has determined demand or apparent consumption of the product in the Country as the sum of domestic sales and imports from all sources. The demand so assessed can be seen in the table below.

	Units	2004-05	2005-06	2006-07	April'07- June'08 (POI)	Annualised
Sales of domestic industry	MT	15,373	16,717	15,563	18,696	14,956
Trend	Indexed	100	109	101	97	97
Sales of Other Indian Producers	MT	-	-	-	-	-
Trend	Indexed	-	-	-	-	-
Imports from China PR	MT	1,321	281	1,747	9,455	7,564
Trend	Indexed	100	21	132	573	573
Imports from Other countries	MT	4,648	4,050	5,693	9,401	7,521
Trend	Indexed	100	87	122	162	162
Demand/consumption	MT	21,342	21,048	23,002	37,552	30,042
Trend	Indexed	100	99	108	141	141

The Authority notes that the demand of the product in the country has shown a positive trend and grew over the injury period. The demand for the product under consideration has increased by 41% as compared to the base year.

Import Volume & market share

26. With regard to the volume of the dumped imports, it has been examined whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure-II (ii) of the Anti-dumping rules provides as under: -

“While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India

27. The information regarding the imports volume and market share is given in the following table:

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	April'07-June'08	Annualised
Sales of Domestic industry	MT	15,373	16,717	15,563	18,696	14,956
Trend	Indexed	100	109	101	97	97
Sales of Other Indian Producers	MT	-	-	-	-	-
Trend	Indexed	-	-	-	-	-
Subject Country-China	MT	1,321	281	1,747	9,455	7,564
Trend	Indexed	100	21	132	573	573
Other countries	MT	4,648	4,050	5,693	9,401	7,521
Trend	Indexed	100	87	122	162	162
Total Imports	MT	5,969	4,331	7,440	18,857	15,085
Trend	Indexed	100	73	125	253	253
Imports in relation to Indian Production	%	8.91	1.83	11.39	51.92	51.92
Demand	MT	21,342	21,048	23,002	37,552	30,042
Trend	Indexed	100	99	108	141	141
Market Share in Demand						
➤ Domestic industry	%	72.03	79.42	67.66	49.79	49.79
➤ Other Indian	%	-	-	-	-	-

Producers						
➤ Subject Country-China	%	6.19	1.33	7.59	25.18	25.18
➤ Other countries	%	21.78	19.24	24.75	25.04	25.04
Total	%	100%	100%	100%	100%	100%

28. The Authority notes that the volume of Chinese imports was considerably lower than third countries till 2006-07. During this period, the landed price of imports was below the benchmark. During the POI, however, landed price of imports crossed the benchmark and the volume of Chinese imports jumped substantially from 281 MT (2005-06), 1747 MT (2006-07) to 9455 MT during the POI. Domestic industry stated that the product under consideration is also being imported under advance licence. The Authority holds that whereas the volume of imports remained quite low so long as landed price of imports was below the benchmark (i.e., so long as anti dumping duty was payable on imports), the same increased substantially once import prices increased to such an extent that the anti dumping duty was not payable.

Market share of China PR in consumption of the product under consideration remained low till 2006-07, when the landed price of imports was below the benchmark. However, during POI, when landed price of imports from China PR became comparable or higher than the benchmark, the market share of Chinese imports in demand in India increased substantially.

Price Effect

29. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows:

“With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price under cutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which other wise would have occurred to a significant degree.”

30. In the present case, the Authority notes that:

(a) Export prices from China PR has increased over the period. However, petitioner submitted that (a) the increase in the import prices is far lower than the increase in the prices by the domestic industry; (c) increase in prices was a result of increase in the input costs.

(b) Comparison of selling price of the domestic industry with the landed price of imports shows that the domestic industry prices moved in tandem with the import prices and caught up with the landed prices in the POI. The price undercutting is marginally negative in the POI, which clearly shows that the domestic industry prices are linked to import prices.

(c) However, the landed price of imports is significantly below the non injurious price determined for the domestic industry. It is also noted that the selling price of the domestic industry is below the non injurious price. Imports are thus having suppressing effect on the prices of the product under consideration in the market. It is claimed that the revocation of duty could result in price underselling in the market.

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	April'07- June'08
Net Sales Realization	Rs/MT	***	***	***	***
Trend		100	96	102	120
Landed Price	Rs/MT	***	***	***	***
Rend		100	109	95	111
Price undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price undercutting	%	(5-15)	(20-30)	(5-10)	(0-5)
Non Injurious Price	Rs/MT				***
Price Underselling	Rs/MT				***
Price Underselling (%)	%				8-12%

Economic Parameters relating to the Domestic Industry

31. Annexure II to the Rules requires that a determination of injury shall involve an object examination of consequent impact of the imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

Production, sales, capacity and capacity utilization

32. Actual production, capacity and capacity utilization of the domestic industry were as shown in the following table-

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	April'07- June'08 (POI)	Annualised
Sales of Domestic Industry						
Domestic	MT	12,873	15,817	15,543	18,696	14,956
Exports	MT	2,500	900	20	-	-
Total Sales	MT	15,373	16,717	15,563	18,696	14,956
Trend	Indexed	100	109	101	97	97
Production of domestic industry	MT	14,823	15,323	15,335	18,210	14,568
Trend	Indexed	100	103	103	98	98
Capacity	MT	15,000	15,000	15,000	18,750	15,000
Capacity utilization of domestic industry	%	98.82	102.15	102.23	97.12	97.12

It is noted that production and consequently capacity utilization of the domestic industry improved upto 2006-07, but declined in POI. Sales of the domestic industry increased upto 2005-06, but declined thereafter in 2006-07 and then POI. Comparison of the imports with the production, sales and capacity utilisation shows that whereas imports increased in the POI, production, sales & capacity utilisation of the domestic industry declined in the same period. However, these declines are not considered significant during the POI.

Market share

33. Share of the domestic industry and various other parties in demand in India was as under:

(Figures in %)

Particular	2004-05	2005-06	2006-07	April'07- June'08 (POI)	Annualised
Domestic industry	72.03	79.42	67.66	49.79	49.79
Other Indian Producers	-	-	-	-	-
Subject Country-China PR	6.19	1.33	7.59	25.18	25.18
Other countries	21.78	19.24	24.75	25.04	25.04

34. The Authority notes that the share of the domestic industry in total demand decreased significantly in POI. After the imposition of anti-dumping duties, the share of domestic industry improved and that of China PR declined in 2005-06 as compared to preceding year. However, thereafter, whereas the share of imports increased significantly, that of the domestic industry declined. Further, even though share of third countries imports also increased, the increase in share of China PR was significantly higher than the increase in the share of third countries. At the same time, the domestic industry lost sales volumes in absolute terms as well especially during the POI. The domestic industry has claimed that even when there are some imports of the product under consideration under advance license, not all imports are made because of duty exemption granted by the Govt. of India. The domestic industry has further claimed that it would have sold more in the absence of Chinese imports.

Profit/loss, return on investment and cash flow

35. The return on investment, profit/loss before and after interest, return on investment and cash profit has moved as shown in the table below:

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	April'07- June'08 (POI)	Annual ised
Profit/(Loss)						
Cost of Production -- Domestic	Rs/Mt	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	87	107	119	119
Selling price	Rs/Mt	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	95	101	119	119
Profit/(Loss)	Rs/Mt	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	116	85	118	118
Profit/(Loss)	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	143	102	137	137
Profit before Interest and Taxes	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	124	83	105	105
Cash Profit	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	134	102	130	130
Return on Capital Employed on NFA basis	%	***	***	***	***	***
Trend		100	127	85	100	100

36. The Authority notes that the domestic industry is able to earn profits after imposition of anti dumping duties (the industry was suffering financial losses in the POI at the time of original investigation). Further profitability improved between 2004-05 and

2005-06. Even though the profitability declined in 2006-07, the same once again improved in POI. The domestic industry claimed that the domestic industry was suffering financial losses in the POI at the time of original investigations and the same situation would occur once again if the present duties are revoked. The petitioner argued that the Chinese prices of Melamine had temporarily increased due to Olympics in China PR.

The domestic industry claimed that its profits with regard to the product under consideration must be determined after considering natural gas at market price. Domestic industry claimed that it gets natural gas at much lower price for fertilizers producer. Such low priced natural gas, domestic industry claimed, was exclusively for fertilizer production and it was not open for the domestic industry to get this natural gas at such concessional price for production of urea required for manufacturing melamine. The domestic industry claimed in their submission that the difference in the price of natural gas was significant which had an impact of about Rs. 5.57 per kg in melamine. In other words, the profitability of the domestic industry would be significantly lower should natural gas not be taken at the average price paid by the company.

The contention of the domestic industry has been examined and it is noted that the Authority has determined profits considering average natural gas prices which are based on the records kept by the company.

37. In order to analyze the impact of dumped imports on cash flow, the Authority has considered the trends in cash profits, as the domestic industry is a multi product company and cash flow situation of the company would not be indicative of the situations in the subject product. The cash profit has been determined by addition of amount of depreciation to the profit (profit before tax). The data shows the same trend as that of profits. Cash profits increased in 2005-06 and thereafter declined in 2006-07. Cash profits increased once again in POI.

In order to analyse the impact of dumped imports on return on capital employed, the Authority determined profit before interest and compared the same with the capital employed by the domestic industry in the product under consideration. It is found that return on capital employed increased in 2005-06 and thereafter declined in 2006-07. Even though return on capital employed increased once again in POI, the same was lower than the levels achieved in 2005-06.

Inventories

38. Average stock of finished products with the domestic industry has shown a declining trend, as shown below. It has been claimed that the low level of inventories and decline in production shows the policy of the company to restrict the inventories and regulate the production.

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	April'07- June'08 (POI)	Annualised
Average stock	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	60	27	10	10

Employment and wages

39. The Authority notes that since the petitioner is a multi product company and anti dumping duty is in place. These parameters per se do not show significant injury. Both employment and wages have shown increase.

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	April'07- June'08 (POI)	Annualised
Employment	Nos	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	97	108	108
Wages	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	110	122	139	139

Productivity

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	April'07- June'08 (POI)	Annualised
Productivity per day	MT/day	42	44	44	42	42
Productivity per employee	MT/Nos	232	243	247	211	211

40. Productivity of the domestic industry shows similar trend as that of production. With decline in production in POI, productivity has also shown some decline.

Growth

41. Growth of the domestic industry is negative in respect of sales volumes, production and capacity utilization. However, price parameter shown positive growth.

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	April'07 –June'08 (POI)	Annualised
Growth						
In Production	Y/Y		500.00	12.00	(767.00)	(767.00)
In Domestic Sales	Y/Y		2,943.35	(274.23)	(586.04)	(586.04)
In Capacity Utilization	Y/Y		3.33	0.08	(5.11)	(5.11)
In Cost of Sales Rs/MT	Y/Y		***	***	***	***
Trend			-100	154	97	97
In Selling Price Rs/MT	Y/Y		***	***	***	***
Trend			100	117	376	376
In Profit/Loss Rs/MT	Y/Y		***	***	***	***
Trend			100	-194	207	207
In Profit/Loss Rs.Lacs	Y/Y		***	***	***	***
Trend			100	-95	82	82
In PBT Rs/MT	Y/Y		***	***	***	***
Trend			100	-170	92	92
In PBIT Rs/MT	Y/Y		***	***	***	***
Trend			100	-95	83	83
In ROI	Y/Y		***	***	***	***
Trend			100	-157	78	58

Dumping margin

42. The Authority notes that the dumping margin determined in the previous investigation was quite significant. The dumping margin determined in the present investigation is also quite significant.

Ability to raise capital investments

43. The Authority notes the domestic industry is a multi product company in which the subject goods constitutes only 3% of total turnover. The petitioner has claimed that they intend to expand the capacity for which company is making efforts. This fact has been reported in their annual report as well. The petitioner therefore claimed that fair market conditions are vital for such expansions to remain feasible. At present, the company has very low incidence of interest & depreciation. However, once the expansion is completed, the same is bound to result in increase in interest & depreciation costs.

F Likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury

44. The present investigation is a review investigation and the Designated Authority is required to examine whether revocation of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. In this case there are continued dumped imports, the Designated Authority is required to examine whether revocation of duty is likely to lead to continued dumping of the product. The Authority notes that the current dumping margin is very significant. It is also noted that in the previously concluded investigation also dumping margin was significant. Further, with the landed price of imports increasing beyond the prevailing benchmark, there is a sharp increase in the volume of imports.

45. To examine the margin of dumping in a sunset review investigation, the Authority applied the same methodology and the procedure as are applied in original investigations. The dumping margin is thus recalculated for the POI and it showed continuation of dumping during the POI and the margin is considered significant.

46. The Authority noted that the subject goods are still being exported to India in significant volumes and the Chinese exporters have continued dumping even after the imposition of anti-dumping duties. Further, the volume of imports is significant in spite of present duties. It has been claimed that the present situation is clearly suggestive that (a) the dumping would continue in the event of revocation of anti dumping duty; (b) the volumes would further increase, once the present anti dumping duties are revoked. It has been claimed that there are no changes in the parameters/circumstances prevailing at the time of original investigation as well as at present. The matter has been examined and it is noted that dumping margins are not only more than de-minimis but also significantly high during the review POI. It is, thus, noted that the circumstances, which were prevalent at the time of original investigations, are very much in existence even in the present review period.

In order to examine whether the dumping and consequent injury would occur rather at aggravated level in the event anti-dumping duties are revoked or not extended for the next five years, the exports of Melamine from China PR to various global countries on the basis of information published have been analysed. The analysis of China PR customs export data shows as under –

(a) China PR is exporting the product under consideration to a large number (more than 70) countries.

(b) Export price from China PR to India is in general much higher than exports to other countries. The Chinese exports of the product under consideration into (a) prices above Indian prices and prices below Indian prices have been analysed. The table below shows the factual position.

	Volume	Price	Value (Rs. 000)	Share in total imports
Exports to India	7,424	50.81	377,258	5.58%
Exports to other countries				
➤ At prices above India	6,671	52.46	349,974	5.02%
➤ At prices below India	118,863	45.48	5,405,706	89.40%
Total exports	132,958	46.13	6,132,937	100.00%

It was seen that almost 90% Chinese exports are at prices more than 10% lower than price to India.

(c) It has been claimed that since exports to India are at dumped prices, exports to third countries are also at dumping prices. The Authority notes that with the export price of subject goods from China PR to other countries being much lower than export price to India, the likelihood of further and increased dumping of subject goods to India from China PR and causing injury looks real and significant.

(d) The Authority notes that the Chinese producers would be willing to divert their exports to third countries in the Indian market, given that the prices in third countries are lower and the selling price of the domestic industry is still higher than the landed price of Chinese exports. It is also noted that though current exports are not undercutting the prices of the domestic industry in the market, there is a strong possibility that in the event of revocation of anti dumping duties, the landed prices are likely to undercut the prices of the domestic industry in the market given the fact that exports to other countries are at lower prices.

(e) The current exports to third countries are significantly higher than established demand of about 40,000 MT in the Indian market. The petitioner claimed that the demand in the current POI was aberrational high, as is clearly established by demand in the subsequent period. Thus, the Chinese exports are capable of meeting entire Indian demand.

(f) The current landed price of imports are materially lower than the non injurious price determined for the domestic industry. It has been claimed that the likely import price would be lower than the current import prices and the exports are likely at prices below non injurious price. The Authority has examined the contention of the domestic industry and it notes that underselling margin is significant during the POI of the review investigation and there remains a strong likelihood that the revocation of anti dumping duty is likely to lead to continued price underselling in the market.

(g) Evidence made available by the domestic industry showed installed capacities in the region of 4,26,800 MT in the Chinese market. The Authority has noted the arguments of the domestic industry and it is noted that considering current exports of the order of 1.33 lacs MT and growth rate of about 46% between 2005-06 and 2007-08, the Chinese producers could be faced with significant unutilized capacities.

In view of above, the Authority thus concludes that revocation of anti dumping duty shall lead to continued dumping and consequent injury to the domestic industry.

G. Other Known factors and Causal Link

47. The Authority examined the issue of causal link and other non-attributive factors as laid down in the Rules to segregate injury, if any, caused by other factors. In this regard, the following indicative factors as laid down in the Rules have been examined.

(a) Volume and Prices of imports not sold at the dumped prices

The Authority notes that imports from third countries were being reported throughout the injury period. The volume of imports was almost similar levels between 2004-05 and 2005-06. Imports increased in 2006-07 and POI. However, increase in third countries imports in POI was far lower than increase in imports from China PR. Whereas the Chinese imports grew by more than 300% between 2006-07 and POI, imports from third countries increased only by 32% over the same period.

(b) Trade restrictive practice and competition between the foreign and domestic producers

The Authority has not found any trade restrictive practice followed by the domestic industry and other Indian producers. The Authority notes that the subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. There being no other producer of the product under consideration in the country, the pricing of the domestic industry is directly linked to imports.

(c) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

There is no contraction in the overall demand during the period under consideration. Therefore, any possible decline in demand is not a factor, which could have caused injury to the domestic industry. There is no argument by interested parties regarding the change in the pattern of consumption, nor does it appear that changes in the pattern of consumption could have inflicted the injury to the domestic industry. On the contrary, demand for the product under consideration increased just by 8% between 2004-05 and 2006-07 and by 31% between 2006-07 and POI.

(d) Export performance

Export sales of the domestic industry has declined. However, the data with respect to domestic sales has been examined separately. Further, price parameters have also been examined only for the domestic operations in the product. Therefore, decline in exports is not a responsible for the injury to the domestic industry in the domestic market.

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI	Annualised
Exports Sales	MT	2,500	900	20	-	-

(e) Productivity of the Domestic Industry

Productivity of the domestic industry has slightly declined in the POI. However, even if the productivity of the domestic industry is considered at the best possible levels, it is seen that the same would not have any significant material impact on the performance of the domestic industry in the domestic market.

H. FINAL FINDINGS

48. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submission of interested parties or otherwise as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of current and likely dumping and injury and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

i) The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and dumping margins of the subject goods imported from China PR is substantial and above de-minimis.

ii) The subject goods are likely to continue to enter the Indian market at dumped prices.

iii) While the performance of the domestic industry improved after imposition of anti dumping duties, situation of the domestic industry is fragile and injury to the domestic industry is likely in the event of revocation of anti dumping duties.

Recommendations:

49. In view of positive determination of likelihood of dumping and injury on account of dumped imports from China PR, the Authority is of the opinion that continuation of the measure is required against imports from China. However, considering the current level of dumping from China PR and performance of the domestic industry, the Authority is of the opinion that the measure in force needs to be revised. Authority considers it necessary and recommends anti-dumping duty on imports of subject goods from subject countries in the form and manner described hereunder.

50. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the margin of dumping or margin of injury whichever is lesser, so as to remove the injury to the domestic industry. Considering that the duty in the original investigation was imposed on benchmark duty basis the Authority recommends continuation of definitive antidumping duty. Accordingly, definitive antidumping duty equal to the difference between the amount indicated in Column-9 of the table below and landed price of imports is recommended to be imposed, on all imports of melamine originating in or exported from the subject country.

Duty Table

Sl. No	Tariff item	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of measurement	Currency
-1	-2	-3	-4	-5	-6	-7	-8	-9	-10	-11
1	2933 61 00	Melamine	Melamine	People's Republic of China	Any	Any	Any	1681 .49	Metric tonne	US Dollar
2	2933 61 00	Melamine	Melamine	Any country other than People's Republic of China	People's Republic of China	Any	Any	1681 .49	Metric tonne	US Dollar

51. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

52. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

R. GOPALAN, Designated Authority